ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्विद्यालय
कानपूर, उत्तर प्रदेश

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 24-07-2026

कानपुर-नगर(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-07-24 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-07-25	2026-07-26	2026-07-27	2026-07-28	2026-07-29
वर्षा (मिमी)	0.0	4.0	0.0	0.0	8.0
अधिकतम तापमान(से.)	33.0	33.0	35.0	36.0	34.0
न्यूनतम तापमान(से.)	26.0	27.0	28.0	29.0	26.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	89	87	78	76	94
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	59	58	53	50	64
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	11	7	9	11	14
पवन दिशा (डिग्री)	151	200	234	257	248
क्लाउड कवर (ओक्टा)	7	6	5	7	8
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारत मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, अगले पांच दिनों में मध्यम से घने बादल छाए रहने के कारण 26 और 29 जुलाई, 2026 के बीच हल्की से मध्यम बारिश और स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ बिजली गिरने की संभावना है। अधिकतम तापमान 33.0-36.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है, और न्यूनतम तापमान 26.0-29.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा, जो सामान्य से 1-2 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता का अधिकतम और न्यूनतम स्तर क्रमशः 76-94% और 50-64% के बीच रहेगा। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम है और हवा की गति 7.0-14.0 किमी प्रति घंटा के बीच रहेगी, जिसमें सामान्य से 4-5 किमी प्रति घंटा अधिक की रफ्तार से तेज हवा के झोंके आने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) से मिली मौसम की जानकारी के अनुसार, आंधी-तूफान, तेज हवाओं और हल्की से मध्यम बारिश की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

बुवाई, रोपाई एवं अन्य कृषि कार्य वर्षा न होने एवं आसमान साफ होने पर करें। उर्वरक एवं कीटनाशी, रोगनाशी का छिड़काव आसमान साफ होने पर करें । वर्षा के बाद फसलों में कीट एवं रोगों की नियमित निगरानी करें। पशुओं को सूखे एवं सुरक्षित स्थान पर रखें तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएँ। पशुओं को पेड़ के नीचे व बिजली के खम्भों के पास न बांधे। जिससे पेड़ के टहनियों के गिरने व बिजली के खम्भों में करन्ट उतरने से पशुओ की मृत्यु हो सकती है।

सामान्य सलाहकार:

किसानो को सूचित किया जाता है कि धान की तैयार पौध की रोपाई अतिशीघ्र पूरा करें तथा बर्षा न होने की दशा में ज्वार, तिल, उर्द, मूँग एवं अरहर आदि की बुवाई का कार्य करें। वर्षा के बाद फसलों में कीट एवं रोगों की नियमित निगरानी करें। पशुओं को पेड़ के नीचे व बिजली के खम्भों के पास न बांधे। पशुओं को सुबह-शाम नहलायें, पशुओं को सूखे एवं सुरक्षित स्थान पर रखें तथा स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराएँ। कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशी रसायनों के लिए साफ पानी उपयोग करें और हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशकों, रोगनाशी और खरपतवारनाशकों स्प्रे न करें। यदि संभव हो तो, छिड़काव करने के बाद, खाने से पहले और कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन से अच्छी तरह से धोये।

लघु संदेश सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे वर्षा की संभावना को देखते हुए तैयार धान की पौध की रोपाई अतिशीघ्र पूरा करें लें तथा वर्षा न होने की स्थिति में तिल, उर्द, मूँग आदि फसलों की बुवाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चावल	धान की 20-25 दिन की तैयार पौध की रोपाई शीघ्र पूरा करें। धान की फसल में चौड़ी एवं संकरी पत्ती के खरपतवार के नियंत्रण के लिए रोपाई के २-३ दिन के अन्दर एनीलोफॉस 30 % ई.सी. या प्रिटलक्लोर 1.50 लीटर/हे0 की दर से 500 -600 लीटर पानी में घोल बनाकर 2-3 इंच पानी छिड़काव करें। धान की रोपाई के 15 - 20 दिन बाद बिसपायरीबैक सोडियम 10 एस०सी० 0. 20 लीटर/हे0 की दर से 500 -600 लीटर पानी में घोल बनाकर उचित नमी की स्थिति में करें। धान में खैरा रोग दिखाई दे रहे हो तो इसके नियंत्रण हेतु 20-25 किलोग्राम जिंक सल्फेट व 2.5 किलोग्राम चूना 800 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।धान की फसल में रोपाई के 10–15 दिन बाद अथवा कल्ले फूटने की अवस्था में यूरिया की टॉप-ड्रेसिंग करें। यदि फसल में जिंक की कमी के लक्षण (पत्तियों का पीला पड़ना एवं बीच में सफेद धारियाँ दिखाई देना) दिखाई दें, तो 20–25 किग्रा जिंक सल्फेट (21%) प्रति हेक्टेयर का प्रयोग अनुशंसित मात्रा में यूरिया के साथ करें। वर्तमान मौसम परिस्थितियों में धान की फसल में पत्ती लपेटक (Leaf Folder) एवं तना छेदक (Stem Borer) कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इसके नियंत्रण हेतु क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी @ 1.5–2.0 लीटर प्रति हेक्टेयर अथवा कार्टाप हाइड्रोक्लोराइड 50 एसपी @ 1.0 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर का 500–600 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
मक्का	बर्षा न होने की दशा में मक्के की फसल में निराई-गुड़ाई एवं घुटने के बराबर (30-35 दिन पर) पौधों की ऊंचाई हो जाने पर 75 कि.ग्रा./हे. यूरिया की टापड्रेसिंग आसमान साफ होने पर ही करें। मक्के की फसल में तना छेदक एवं पत्ती लपेटक (फालआर्मी वर्म) कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर अथवा डाइमेथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/ हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें अथवा क्लोरेन्ट्रानिलीप्रोल 0.40 जी.आर. 12.5 किग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से प्रयोग साफ मौसम पर करें।
ज्वार	ज्वार की संस्तुत संकुल प्रजातियों यथा वर्षा, सी.एस.वी.-13, सी.एस.वी.-15, एस.पी.बी.-1388 (बुन्देला), विजेता तथा संकर प्रजातियों सी.एस.एच.-16, सी.एस.एच.-9, सी.एस.एच.-14, सी.एस.एच.-18, सी.एस.एच.-13, एच.टीजे.एच.-3208 व सी.एस.एच.-23 की बुवाई अभी तक नहीं की है तो यथाशीघ्र पूर्ण करें।
तिल	बर्षा न होने की दशा में करें। ज्वार की संस्तुत संकुल प्रजातियॉ - वर्षा, सी.एस.वी.-13, सी.एस.वी.-15, एस.पी.वी.-1388 (बुन्देला), विजेता तथा संकर प्रजातियॉ-सी.एस.एच.-16, सी.एस.एच.-9 सी.एस.एच.-14

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
	सी.एस.एच.-18 सी.एस.एच.-13 एवं सी.एस.एच.-23 आदि में से किसी एक किस्म की बुवाई आसमान साफ होने पर करें।
मूँगफली	वर्तमान मौसम में मूँगफली की फसल में जलभराव न होने दें तथा खेत में उचित जल निकास की व्यवस्था बनाए रखें। फसल की नियमित निगरानी करते रहें। फूल आने की अवस्था में 200–250 किग्रा जिप्सम प्रति हेक्टेयर का प्रयोग करें। पत्ती खाने वाली सूंडियों एवं टिक्का रोग के प्रकोप पर अनुशंसित कीटनाशी/ फफूंदनाशी का प्रयोग करें तथा खरपतवार नियंत्रण हेतु समय पर निराई-गुड़ाई करें।
काला चना	खरीफ में बोई जाने वाली उर्द की संस्तुति जातियां- नरेन्द्र उर्द-1, आजाद उर्द-2 , आजाद उर्द-3, शेखर-1, शेखर-2, शेखर-3 ,पन्त यू-30 आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 12 -15 किलोग्राम बीज/ हेक्टयर की दर से खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई का कार्य बर्षा न होने की दशा में करें।
मूँग	खरीफ में बोई जाने वाली मूँग की संस्तुति जातियां- नरेन्द्र मूँग-1, आजाद मूँग -1 , श्वेता, विराट, मेहा, वर्षा, सम्राट, कनिका आदि में से किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए 12 -15 किलोग्राम बीज/हेक्टयर की दर से खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई का कार्य बर्षा न होने की दशा में करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	बर्षा न होने की दशा में बुवाई /रोपाई /निराई -गुड़ाई कार्य करें। खरीफ में रोपी जाने वाली सब्जियों जैसे- बैगन, मिर्च, टमाटर और अगेती फूलगोभी आदि फसलों की नर्सरी डाले, साथ ही तैयार पौध की रोपाई करें।सब्जियों की फसलों में फल छेदक /पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली०/ लीटर पानी में घोल बनाकर 3 -4 छिड़काव 8 -10 दिन के अन्तराल पर करें। सब्जिओं की खड़ी फसलों में निराई - गुड़ाई का कार्य आसमान साफ होने पर करें।
आम	आम के पहले से भरे गए गड्ढ़ो में नए पौधों क रोपाई का कार्य करें । आम में पत्ती कटाने वाले कीट की रोकथाम हेतु २%कार्बरिल 1.5 % धूल का बुरकाव आसमान साफ होने पर करें।केले/पपीते के बागो की गुड़ाई-करके तने के चारो तरफ 25-३० सेंटीमीटर ऊंची मिटटी चढ़ा दे तथा केले के पौधों में स्टेंडिंग का कार्य करे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। व्याने वाले पशुओं का विशेष ध्यान रखें साथ ही दुधारु पशुओं का व्याने के बाद दुग्ध ज्वर, कीटोसिस आदि से बचाव करें। पशुओं एवं नवजात बच्चों को आंतरिक एवं वाह्य परिजीवियों से बचाव करें। पशुशाला में कीटाणुनाशक दवा का उपयोग करे।पशुओं के पेट में कीड़ों की रोकथाम हेतु कृमिनाशक दवा देने का सर्वोत्तम समय है। पशुओ को खुरपका-मुंहपका बीमारी का टीकाकरण टीकाकरण कराये। पशुओ को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। पशुओ को दिन में दो से तीन बार नहलाये। पशुओं को दिन के समय छाये दार स्थान पर बांधे तथा पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधे। क्योकि इस सप्ताह हवाओं की गति तेज रहने के कारण पेड़/पेड़ो की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती है।कृषकों/पशुपालकों के द्वार पर पशुचिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु विभाग के द्वारा मोबाइल वेटनरी यूनिट योजना का संचालन किया जा रहा है। इस योजना का लाभ लेने हेतु सभी कृषक/ पशुपालक टोल फ्री हेल्पलाइन नं0-1962 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	वर्तमान मौसम में मुर्गियों को नमी एवं जलभराव से बचाकर रखें। पोल्ट्री शेड में उचित वेंटिलेशन बनाए रखें। स्वच्छ पेयजल एवं संतुलित आहार उपलब्ध कराएँ। शेड के आसपास मच्छरों एवं मक्खियों की रोकथाम के लिए साफ-सफाई बनाए रखें और सभी मुर्गियों का समयानुसार टीकाकरण सुनिश्चित करें।

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
	बीमार अथवा सुस्त दिखाई देने वाली मुर्गियों को तुरंत अलग रखें तथा आवश्यक होने पर तुरंत चिकित्सकीय सलाह लें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

निचले क्षेत्रों में जलभराव से दैनिक कार्य एवं स्थानीय आवागमन का प्रभावित होना ।दृश्यता कम होने एवं सड़कों पर फिसलन बढ़ने से सड़क दुर्घटनाओं की संभावना। गरज-चमक, वज्रपात एवं तेज हवाओं से जनहानि, चोट तथा संपत्ति की क्षति। पेड़ों, शाखाओं, होर्डिंग्स एवं बिजली के खंभों के गिरने से जान-माल का नुकसान, बिजली, संचार एवं अन्य आवश्यक सेवाओं में अस्थायी व्यवधान उत्पन्न होना, स्थानीय स्तर पर बाढ़ या जलभराव से आवासीय क्षेत्रों, बाजारों, विद्यालयों एवं सार्वजनिक सुविधाओं पर प्रभाव, अधिक नमी एवं जलभराव के कारण जलजनित एवं मच्छरजनित रोगों का खतरा बढ़ना। फसलों, बागवानी फसलों, पशु आश्रयों एवं कृषि अवसंरचना को नुकसान। व्यापारिक कार्यो, निर्माण कार्यों एवं बाहरी श्रमिको के कार्यों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

जारी किए गए मौसम पूर्वानुमानों और चेतावनियों पर नियमित रूप से ध्यान दें। गरज-चमक एवं वज्रपात के समय खुले मैदानों, ऊंचे पेड़ों, बिजली के खंभों तथा जलाशयों के पास जाने से बचें। आवश्यक होने पर ही यात्रा करें तथा जलभराव वाले मार्गों और पुल-पुलियों को पार करने से बचें। तेज हवाओं के दौरान कमजोर संरचनाओं, होर्डिंग्स एवं पेड़ों के नीचे खड़े न हों। घरों की छतों, खिड़कियों एवं जल निकासी व्यवस्था की जांच कर उन्हें सुरक्षित रखें। विद्युत उपकरणों का सावधानीपूर्वक उपयोग करें तथा बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में टॉर्च एवं आवश्यक सामग्री तैयार रखें। बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं एवं बीमार व्यक्तियों की विशेष देखभाल करें। जलजनित रोगों से बचाव हेतु स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल का उपयोग करें। पशुओं को सुरक्षित स्थान पर रखें तथा उनके लिए पर्याप्त चारा एवं स्वच्छ पानी की व्यवस्था करें।

Farmers are advised to download Unified �Mausam� and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details